दूरदर्शन का सामाजिक जीवन पर प्रभाव का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण

मीना कुमारी

21 वी सदी को हम यदि मीडिया की सदी कहें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। शिक्षा के क्षेत्र में नये–नये आयामों द्वारा शिक्षा जगत में महत्वपूर्ण उपलब्धियों का पहाड़ सा खड़ा कर दिया जिसमें मीडिया की लोकप्रियता सर्वत्र छायी रही। मीडिया ने न केवल वर्तमान में अपितु स्वतन्त्रता संग्राम में भी अपनी पत्रकारिता के माध्यम से राष्ट्रीय तथा स्वतन्त्रता संग्राम के सेनानियों के वैचारिक जीवन की यशोगाथा का प्रमाणिक अभिलेख प्रस्तुत किया है।